



MS. RAVEENA RAVI TANDON

Ms. Raveena Ravi Tandon is a famous multifaceted Indian actor.

2. Born on 26th October, 1972, Ms. Tandon is daughter of acclaimed film maker Shri Ravi Tandon. She made her acting debut in 1991 with “Patthar Ke Phool” for which she received her first Filmfare Award. She was nominated for a national award for her performance in 'Satta'. Her performance in national award winning Shool received universal applause. Films like Dilwale, Mohra, Dulhe Raja, Aks, Ghulam e Mustafa, and many more were commercial blockbusters that Ms Tandon delivered.

3. Though perilous for a mainstream commercial actor Ms. Tandon decided to give back to society in contributing to the cause of women empowerment. Her ground breaking performances in films like Daman, that dealt with Marital rape, Jaago and Maatr, based on real-life traumatic incidents, garnered critical acclaim and praise from women organisations. A powerful performance in KGF 2 that went on to become the third highest grossing film of all time, Ms Tandon then went on to deliver a strong performance in the Netflix web series Aranyak, embroidered with a socially relevant message that talks about women in uniform and their sacrifices.

3. Ms. Tandon is also a philanthropist, environmentalist and a wildlife photographer. Hon'ble Prime Minister himself, praised her work on promotion of organ donation. Her Rudra Foundation is doing praiseworthy work for the cause of children, women & animal welfare. During the Covid pandemic, when Oxygen was a scarcity, her foundation ensured truckloads of cylinders were able to reach the needy. She is the Wildlife Goodwill Ambassador of Maharashtra and also the first participant from the entertainment industry to be a delegate at W20. From commercial to art house cinema, from rank entertainers to socially relevant films; from taking up women's causes to wildlife concerns, her journey is worth emulating and honouring.

4. Ms. Tandon has received numerous awards. She received National Film Awards, India 2001 for Daman: A Victim of Marital Violence; Filmfare award, Critics Award for Best Actress and Screen Award for best supporting actress for Aks; Dada Saheb Phalke Film Academy Award 2017; Lions Gold Award 2018 for Maatr; Dada Saheb Phalke Best Actress Award 2021; Filmfare OTT Awards 2022 for Aranyak. She also Society Achiever International Film Festival Award; Best Actress Award for Aranyak, Filmfare OTT Awards, IWM Digital Awards, Hindustan times; Navbharat times Actor par Excellence, ANANDALOK, ABP PURASKAR for Aranyak; ITA Special Award Scroll of Honour; Stardust Award, Indian Cinema's Real Power women 2022.



सुश्री रवीना रवि टंडन

सुश्री रवीना रवि टंडन एक प्रसिद्ध बहुआयामी भारतीय अभिनेत्री हैं।

2. 26 अक्टूबर, 1972 को जन्मी, सुश्री टंडन प्रख्यात फिल्म निर्माता श्री रवि टंडन की सुपुत्री हैं। उन्होंने 1991 में "पत्थर के फूल" के साथ अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की, जिसके लिए उन्हें अपना पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। उन्हें 'सत्ता' में अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शूल में उनके अभिनय की सर्वत्र प्रशंसा हुई। सुश्री टंडन की दिलवाले, मोहरा, दुल्हे राजा, अक्स, गुलाम ए मुस्तफा और कई अन्य फिल्मों में व्यावसायिक रूप से अत्यंत सफल हुई।

3. सुश्री टंडन मुख्यधारा की व्यावसायिक अभिनेत्री हैं परंतु उन्होंने महिला सशक्तीकरण द्वारा समाज में योगदान करने का निर्णय लिया। वैवाहिक बलात्कार पर उनकी फिल्म दमन, वास्तविक जीवन की दर्दनाक घटनाओं पर आधारित जागो और मातृ जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने महिला संगठनों की महत्वपूर्ण सराहना प्राप्त की। अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कैजीएफ 2 में उनका सशक्त अभिनय था। इसके बाद, सुश्री टंडन ने नेटफ्लिक्स वेब सीरीज अरण्यक में जानदार प्रदर्शन किया। इस वेब सीरीज में सामाजिक रूप से प्रासंगिक एक संदेश था, जिसमें वर्दीधारी महिलाओं और उनके त्याग का चित्रण किया गया है।

3. सुश्री टंडन एक परोपकारी, पर्यावरणविद् और वन्यजीव फोटोग्राफर भी हैं। माननीय प्रधान मंत्री ने अंगदान को बढ़ावा देने पर उनके कार्य की प्रशंसा की। उनका रुद्र फाउंडेशन बच्चों, महिलाओं के हितों और पशु कल्याण के लिए सहायनीय कार्य कर रहा है। कोविड महामारी के दौरान, जब ऑक्सीजन की कमी थी, तो उनके फाउंडेशन ने ऑक्सीजन सिलेंडर भरे ट्रक जरूरतमंदों तक पहुंचाए। वह महाराष्ट्र की वन्यजीव सद्भावना की अग्रदूत हैं और मनोरंजन उद्योग की ऐसी पहली प्रतिभागी हैं, जिन्होंने डब्ल्यू 20 में प्रतिनिधित्व किया है। कमर्शियल से लेकर आर्ट हाउस सिनेमा तक, रैंक एंटरटेनर्स से लेकर सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों तक; महिलाओं के मुद्दों से लेकर वन्यजीव सरोकार तक, उनकी यात्रा अनुकरणीय और प्रशंसनीय है।

4. सुश्री टंडन को अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें दमन: वैवाहिक हिंसा की शिकार के लिए भारत का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2001; अक्स के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए क्रिटिक्स अवार्ड और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए स्क्रीन अवार्ड; दादा साहेब फाल्के फिल्म अकादमी पुरस्कार 2017, मातृ के लिए लायंस गोल्ड अवार्ड 2018; दादा साहेब फाल्के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार 2021, अरण्यक के लिए फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कार 2022; सोसाइटी अचीवर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड; अरण्यक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार, फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स, आईडब्ल्यूएम डिजिटल अवार्ड्स, हिंदुस्तान टाइम्स; नवभारत टाइम्स का उत्कृष्ट अभिनेत्री, आनंदलोक, एबीपी पुरस्कार; आईटीए स्पेशल अवार्ड स्कॉल ऑफ ऑनर; स्टारडस्ट अवार्ड, भारतीय सिनेमा की रियल पावर वुमन 2022 शामिल हैं।